राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा चलाई गई हिन्दी कार्यशालायें

232. श्री संतोष बागड़ोदिया : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अपने कर्मचारी वृन्द को हिन्दी में काम करने योग्य बनाने के लिए पिछले तीन वर्षों में विभिन्न राष्ट्रीकृत बैंकों द्वारा चलाई गई हिन्दी कार्यशालाओं की वर्ष वार संख्या क्या है ;

(ख) इन बैंको के उन कर्मचारियों/ अधिकारियो की संख्या कितनी है जिन्होंने ऐसी प्रत्येक हिन्दी कार्यशाला में वास्तविक रूप से भाग लिया ; और

(ग) इससे प्राप्त किए गए परिणामों का ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग में राज्य मंत्री (श्री बी०के० गढ़वी) : (क) और (ख) 14 राष्ट्रीयकृत बैंकों से प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 1986, 1987 और 1988 के दौरान उनके द्वारा आयोजित की गई कुल हिन्दी कार्यशालाओं की संख्या क्रमश: 783, 849 और 1073 थी और वर्ष 1986, 1987 और 1988 के दौरान इन हिन्दी कार्यशालाओं में भाग लेने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमश: 15820, 13818 तथा 19835 थी ।

(ग) इन कार्यशालाओं का उद्देश्य हिन्दी में काम करने में कर्मचारियों को होने वाली हिचकिचाहट को दूर करना तथा उन्हें राजभाषा अधिनियम एवं राजभाषा नियमों की जानकारी प्रदान करना है। इसके परिणामस्वरूप हिन्दी में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ जाती है।

New scheme for Jute growers and workers

233. SHRI SANTOSH BAGRODIA : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether the Prime Minister has announced a new scheme for **the** benefit of jute growers and jute workers for reviving the jute industry; and

(b) if so, by when this new scheme is likely to be launched and what are the details of the new scheme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (KUMARI SAROJ KHAPARDE) ;
(a) No, Sir. The Hon'ble Member is perhaps referring to the address of the Prime Minister at Purnea on 17th May, 1989. The Prime Minister on the occasion had only made a general reference to the need-for making jute industry competitive and removing its present difficulties.. No announcement of any new scheme was made.

(b) Does not arise.

Flouting of Jute Packaging Order by Cement Industry

234- SHRI SANTOSH BAGRODIA : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the cement industry is flouting the Jute Packaging Order:

(b) if so, what steps Government propose to take in the matter; and

(c) what procedure is followed by Government to monitor the im plementation of the above order by different industries, particularly the Cement industry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (KUMARI SAROJ KHAPARDE) ; (a) to (c) There have been some instances of non-compliance of Jute Packing order by some cement companies. Development Commissioner for Cement Industry who has been delegated the authority to administer